

उत्तराखण्ड में पर्यटक वहन क्षमता सर्वेक्षण

चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड के पारस्थितिकी रूप से संवेदनशील पर्वतीय नगरों को [अनयिमति पर्यटन](#) के बढ़ते प्रभाव से बचाने के लिये, राज्य सरकार नैनीताल, काँची धाम और भवाली में अपना **पहला पर्यटक वहन क्षमता सर्वेक्षण** कराएगी, जिसका उद्देश्य भीड़भाड़, अत्यधिक वाहनों के आवागमन और [सार्वजनिक सुविधाओं](#) पर अत्यधिक बोझ के कारण [बुनियादी ढाँचे](#) पर पड़ने वाले प्रभाव का मूल्यांकन करना है।

- इससे पहले, सितंबर 2024 में, [राष्ट्रीय हरति अधिकरण \(NGT\)](#) ने राज्य सरकार को नैनीताल ज़िले को उसकी वहन क्षमता और **पर्यावरणीय संवेदनशीलता** के आधार पर **नषिद्ध, अनियमित और विकास क्षेत्रों** में वर्गीकृत करने का निर्देश दिया था।

मुख्य बिंदु

- **सर्वेक्षण का क्षेत्र और अपेक्षित परिणाम:**
 - उत्तराखण्ड पर्यटन विकास बोर्ड (UTDB) सीसीटीवी नगरानी के सहयोग से, **चरम और मंद** दोनों मौसमों के दौरान सर्वेक्षण करेगा, जिसमें **वाहनों** के आवागमन, **पर्यटकों की संख्या** और आस्थितिक क्षमता का आकलन किया जाएगा।
 - नषिकर्षों के आधार पर, राज्य एक **पर्यटक पंजीकरण प्रणाली** लागू कर सकता है और पारस्थितिकी संरक्षण, यातायात प्रबंधन तथा बुनियादी ढाँचे के संवर्धन के उद्देश्य से एक स्थायी रोडमैप विकसित कर सकता है।
- **सर्वेक्षण की आवश्यकता:**
 - पर्यटन के **चरम मौसम** के दौरान प्रतिदिन **7,500 से अधिक चार पहिया वाहन** नैनीताल शहर में प्रवेश करते हैं, जिसका अर्थ है कि प्रतिदिन लगभग 30,000 पर्यटक आते हैं, जिससे शहर के सीमा **बुनियादी ढाँचे** पर भारी दबाव पड़ता है।

वहन क्षमता

- **परिचय:**
 - वहन क्षमता से तात्पर्य उस **अधिकतम जनसंख्या या गतिविधि स्तर** से है जिसे कोई विशेष क्षेत्र अपने **प्राकृतिक संसाधनों** और पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना सहन कर सकता है।
 - इसे दो घटकों के आधार पर निर्धारित किया जाता है:
 - **जैविक घटक:** जैसे—वनस्पति और जल वजिज्ञान
 - **अजैविक घटक:** जैसे—भू-आकृति और जलवायु
- **वहन क्षमता का आकलन करने के दृष्टिकोण:**
 - **प्लैनेटरी बाउंडरीज़ पद्धति:** इस पद्धति का उपयोग [जलवायु परिवर्तन](#), [भूमिक्षरण](#), [प्रदूषण](#) और जल संकट सहित वैश्विक पर्यावरणीय चुनौतियों के संदर्भ में किया जाता है। यह पृथ्वी पर मानवीय गतिविधियों के लिये **सुरक्षित संचालन सीमाओं** की पहचान करने में सहायक है।
 - **जैव-क्षमता ओवरशूट दृष्टिकोण:** एक स्थिरता मापक जो **प्राकृतिक प्रणालियों** पर मनुष्यों की पारस्थितिकी माँग को मापता है। यह इस बात पर प्रकाश डालता है कि हम एक वर्ष के पारस्थितिकीय संसाधनों का उपभोग केवल कुछ महीनों में कैसे कर लेते हैं, जिसे [अर्थ ओवरशूट डे](#) जैसी अवधारणाओं द्वारा दर्शाया गया है।
- **महत्त्व:**
 - **पर्यावरणीय स्थिरता और विकास की आवश्यकताओं** के बीच संतुलन बनाए रखने के लिये **वहन क्षमता** का आकलन आवश्यक है।
 - सावधानी सिद्धांत द्वारा निर्देशित होने पर, यह विकासात्मक शासन और **प्राकृतिक प्रणालियों** की दीर्घकालिक स्थिरता के बीच संघर्षों को हल करने के लिये एक **व्यावहारिक ढाँचा** प्रदान करता है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiiias.com/hindi/printpdf/tourist-carrying-capacity-survey-in-uttarakhand>

